एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 04, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2024)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

मिर्च की फसल मे थ्रिप्स के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन रणनीतियाँ

(जतिन कुमार सिंह[1], अभिषेक सिंह[2], *प्रद्युम्न कुमार मौर्य[3] एवं वैष्णवी मिश्रा[3])
[1]गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड, 263145
[2]कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर,
(डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या 224001)
[3]कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञानं संस्थान, डी डी यू गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, 273009 (उ०प्र०)
*संवादी लेखक का ईमेल पता: pkmourya563@gmail.com

मिर्च दक्षिणी अमेरिका मे उत्पन हुयी पोधे की प्रजाति है| इसका उपयोग हम मसाला एवंम सब्जी के रूप में करते है जोकि भारत के साथ ही पुरे दुनिया मे उगाई जाती है| मिर्च की फसल रबी और खरीफ दोनों मौसमो मे उगाई जाती है| खरीफ मे इसकी बुवाई जुलाई-अगस्त मे की जाती है जबकि रबी मे इसकी बुवाई अक्टूबर-नवंबर के माह मे की जाती है| थ्रिप्स, मिर्च की फसल के लिए एक महतवपूर्ण एवंम हानिकारक कीट माना जाता है| थ्रिप्स के द्वारा उपज मे काफी हानि होती है| थ्रिप्स क द्वारा मिर्च की फसल मे 11.8% से लेकर 90 प्रतिशत तक उपज मे हानि दर्ज की गयी है| इसके निम्फ एवंम व्यस्क दोनों फसल को नुकशान पहुचाते है| जो मुख्य रूप से पतियों के ऊपर की ओर मुड़ने के लिए जिम्मेदार है| मिर्च की फसल मे थ्रिप्स का आर्थिक क्षति सीमा (ई.टी.ल.) दो थ्रिप्स प्रति पत्ती माना जाता है| थ्रिप्स के प्रबंधन के लिए कई रणनीतिया है तो क्यों नहीं ऐसी प्रबंधन रणनीतियो का उपयोग किया जाये जो की किसानो के लिए आर्थिक रूप से सहायक हो एवंम पर्यावरण के लिए सुरक्षित हो| इस लेख मे थ्रिप्स के एकीकृत प्रबंधन के उपायों पर चर्च की गई है|

चित्र- वयस्क थ्रिप्स

वैकल्पिक पौधे

थ्रिप्स एक अत्यधिक बहुभक्षी प्रकार का कीट है जो की केला, सेम सहित 150 से अधिक वैकल्पिक पौधे जैसे गुलदाउदी, कपास, नींबू, प्याज, आड़ू, आम, मूंगफली,काली मिर्च, गुलाब, सोयाबीन, स्ट्रॉबेरी, चाय, तम्बाकू, मक्का, कोकोआ, बैंगन, शकरकंद, रतालू, अंगूर, चमेली, कीवी,लीची, टमाटर, काजू और अरंडी आदि पर व्यापक रूप से आक्रमण करते है यह कीट प्रमुख रूप से भारत, जापान, पाकिस्तान, इज़राइल, दक्षिण अफ्रीका, कैरेबियन और फ्लोरिडा मे पाया जाता है।

थ्रिप्स के हानिकारक लक्षण

थ्रिप्स (निम्फ और वयस्क दोनों) मिर्च के पौधो के मुलायम पत्ते, पत्तों के ऊतकों और फूलों का रस चूसते हैं, टहनियों और फलों को खुरचते है जिसके परिणामस्वरूप पत्तियां ऊपर की दिशा मे मुड़

जाती हैं. संक्रमित पत्तियों पर झुर्रियाँ भी पड़ जाती हैं| फलों पर निशान दिखने लगते हैं। यदि संक्रमण पौधे में फूल आने से पहले होता है तो पोधा अवरुद्ध हो जाता है और फूल आना और फल लगना रुक जाता है तथा फूल समय से पहले ही झड़ जाते हैं|

मिर्च की फसल में मिर्च थ्रिप्स के लिए एकीकृत प्रबंधन रणनीतियाँ

- मिर्च के साथ-साथ अन्य प्रमुख पौधों में थ्रिप्स के संक्रमण की निगरानी नियमित रूप से की जानी चाहिए|
- थ्रिप्स के विरुध मिर्च मे प्रतिरोध उत्पन्न करने के लिए मिट्टी में 200 कि.ग्रा. नीम की खली और 500 किलोग्राम वर्मीकम्पोस्ट प्रति एकड़ में का प्रयोग करें।
- गंभीर रूप से प्रभावित पौधों को एकत्र कर के नष्ट कर देना चाहिए|
- *पार्थेनियम, हिस्टेरोफोरस, लैंटाना, क्लियोम, एबूटिलोन,* जंगली सोलनम प्रजातियाँ जैसे खरपतवारों को उखाड़ के हटा देना चाहिए| खेत या खेत के मेड़ों से इन प्रजातियाँ, आदि को जो ऑफ सीजन में भी थ्रिप्स के लिए वैकल्पिक पोधे के रूप में कार्य करता है, उन्हें उखाड़कर नस्ट कर देना चाहिए|
- थ्रिप्स की वृद्धि को रोकने के लिए नर्सरी में पौधो पर पानी छिड़कना चाहिए।
- प्रतिरोध या कम अवधि वाले किस्मे जैसे भंगेर और झुमको उगानी चाहिए|
- अधिक रूप से प्रभावित पौधो को नष्ट कर देना चाहिए|
- फसल चक्र का उपयोग करना चाहिए मिर्च के फसल के बाद किसानो को मक्का या दलहनी फसलो की बुवाई करनी चाहिए|
- मिर्ची की बुवाई ज्वार के बाद नहीं करनी चाहिए एवंम मिर्ची के फसल के साथ प्याज की खेती नही करनी चाहिए|
- थ्रिप्स से प्रभावित खेतों में नीले चिपचिपे ट्रैप्स @ 25-30/एकड़ के द्वारा मास ट्रैपिंग किया जाना चाहिए|
- वनस्पति आधारित कीटनाशकों जैसे नीम का तेल 3% @ 2 मिलीलीटर प्रति लीटर का छिड़काव करें या नीम बीज अर्क (एनएसकेई) 5%, विटेक्स नेगुंडो अर्क @ 50-80 मिली प्रति लीटर, आदि या माइक्रोबियल आधारित कीटनाशक जैसे ब्यूवेरिया बैसियाना @ 4.00 ग्राम या एमएल प्रति एक लीटर, बैसिलस एल्बस स्ट्रेन @ 20 ग्राम प्रति लीटर या स्यूडोमोनास फ्लुओरेसेंस स्ट्रेन @ 20 ग्राम प्रति लीटर का इस्तेमाल करना चाहिए|
- थ्रिप्स के विरुद्ध बीजों के उपचार के लिए इमिडाक्लोप्रिड 70% डब्ल्यूएस @ 12 ग्राम प्रति किग्रा का प्रयोग करें।
- निम्नलिखित कीटनाशकों में से किसी एक का प्रयोग मिर्च मे थ्रिप्स के रोकथाम हेतु पानी के साथ छिडकाव करें-

➢ थियामेथोक्सम 25% ड्ब्लूपी @ 0.2 मिली प्रति लीटर,

➢ स्पिनोसैड 45% एससी @ 2 मिली प्रति लीटर,

➢ फिप्रोनिल 5% एससी @ 1.5 मिली प्रति लीटर,

➢ इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @ 0.4 ग्राम प्रति लीटर

➢ इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल @ 0.5-1.0 मिली प्रति लीटर,

➢ और प्रभावी प्रबंधन के लिए संयुक्त कीटनाशक का भी छिड़काव किया जाता है जैसे- इमामेक्टिन बेंजोएट 1.50% + फिप्रोनिल 3.50% एससी @ 1-1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी मे स्प्रे करे।

निष्कर्ष

मिर्च सोलानेसी परिवार से संबंधित है भारत मे सभी जगह उगाई जाने वाली फायदेमंद मसाले और सब्जी की फसल है। मिर्च की खेती बड़े पैमाने पर होती है| मिर्च थ्रिप्स 11.8-90% तक महत्वपूर्ण उपज हानि का कारण बनता है और मिर्च की फसल को भारी नुकसान पहुचाता हैं| इस कीट से निपटने के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन को अपनाने और बढ़ावा देने की जरूरत है|

संदर्भ (References)

1. Shetty, G.P. (2024). An insight review of invasive black thrips: Thrips parvisipinus in chilli. *Journal of Eco-Friendly Agriculture*, *19*(1). https://doi.org/10.48165/
2. Chakrabarty, S., Islam, A. M. and Islam, A. A. 2017. Nutritional benefits and pharmaceutical potentialities of chilli: A review. Fundamental and Applied Agriculture, 2(2):227-232.
3. मिर्च. (2023, December 1). विकिपीडिया. https://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AE%E0%A4%BF%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%9A
4. Guruji, H. (2024, February 1). Topic 6 मिर्च और शिमला मिर्च. Retrieved March 8, 2024, from https://www.horticultureguruji.in/
5. Pests in Gardens and Landscapes. (2021). Retrieved March 8, 2024, from https://ipm.ucanr.edu/PMG/GARDEN/PLANTS/INVERT/chillithrips.html